जून में कृषि पर इंदौर में ब्रिक्स देशों की बड़ी बैठक

▶ कृषि कूटनीति का नया मंच बनेगा इंदौर

नवभारत न्यूज

इंदौर. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इंदौर में जून 2026 में ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक और कृषि कार्य समूह एडब्ल्यूजी की बैठक आयोजित की जाएगी. उन्होंने कहा कि 9 से 11 जून तक समूह की बैठक होगी और 12 व 13 जून को ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्री कृषि और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे. इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी साथ थे.

शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और बताया कि आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप, भव्य और सुव्यवस्थित बनाया जा रहा है. उनका कहना है कि यह सम्मेलन भारत की कृषि क्षमता, नवाचार और वैश्विक नेतृत्व को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर होगा. उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश कृषि के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दुनिया की लगभग 42 प्रतिशत कृषि भूमि, 68 प्रतिशत छोटे किसान और करीब 45 प्रतिशत अनाज उत्पादन इन देशों से जुड़ा है. इसी कारण यह बैठक वैश्विक कृषि नीति और खाद्य सुरक्षा के लिए बेहद अहम मानी जा रही है. ब्रिक्स समूह में भारत, ब्राज़ील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब शामिल हैं. इसके अलावा कई साझेदार देश भी इस मंच से जुड़े हुए हैं.

कई महत्वपूर्ण विषयों पर होगा मंथन

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि इस सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, जलवायु अनुकूल खेती, कृषि व्यापार, डिजिटल कृषि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान और किसान कल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन होगा. उन्होंने यह भी कहा कि बदलते जलवायु हालात, बढ़ते तापमान और अनियमित वर्षा को देखते हुए टिकाऊ और आधुनिक कृषि प्रणाली विकसित करना आज की आवश्यकता है. इस सम्मेलन से सदस्य देशों के बीच कृषि सहयोग और तकनीकी आदान-प्रदान को मजबूती मिलेगी.

कृषि परंपरा का विश्वक परिचय देगा इंदौर

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इंदौर केवल बैठक स्थल नहीं रहेगा, बल्कि भारत की कृषि परंपरा, मालवा की संस्कृति और मध्यप्रदेश की मेहमाननवाज़ी का वैश्विक परिचय भी देगा. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इस आयोजन को मध्यप्रदेश के किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर बताया है.

स्वच्छता के साथ जल संरक्षण में भी बनेंगे नंबर वन : महापौर

▶ जल संरक्षण की दिलाई शपथ

▶ स्वच्छता सर्वेक्षण के फीडबैक में भी इंदौर को नंबर वन बनाने की अपील

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए क्लीन इंदौर सेव वाटर साइक्लोथान आयोजित की गई. जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जागरूकता बढ़ाने हेतु महापौर ने साइकिल चलाकर जल संरक्षण हेतु नागरिकों को प्रेरित किया. साथ ही जल संरक्षण के लिए शपथ दिलाई गई.

आज सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने नेहरू स्टेडियम से क्लीन इंदौर सेव वाटर साइक्लोथान में भाग लिया. शहर में जल संरक्षण उपस्थित नागरिकों को शपथ दिलाई. इस मौके पर महापौर ने कहा कि ग्रीन इंदौर, क्लीन इंदौर, क्लीन वॉटर और जल गंगा संवर्धन अभियान के संदेश के साथ हर साल साइक्लोथान का आयोजन किया जाता हैं. भविष्य में हमारे बच्चे एवं उनके बच्चों के लिए

पानी बचाने के उद्देश्य से हम लगातार कार्य कर रहे हैं. उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर का जमीनी जल स्तर लगातार कम होता जा रहा है, अगर हम जागरुक नहीं हुए, तो हमारे बच्चे और उनके बच्चों के लिए पानी नहीं रहेगा. महापौर भार्गव ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में इंदौर फीडबैक में भी नंबर वन बने. उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि स्वछता फीडबैक में अपना सहयोग प्रदान करें. महापौर ने कहा कि मध्य प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत छोटी-छोटी वाटर बॉडीज, तालाबों , नदियों को जोड़ने का काम कर पुनर्जीवित किया जा रहा है.

जल संरक्षण के लगातार किए जा रहे प्रयास

जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा ने कहा कि इंदौर ने पिछले वर्षों से जल संरक्षण एवं भूमिगत जल को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं. पिछले तीन वर्षों में करीब 500 से अधिक रिचार्ज सॉफ्ट का निर्माण, कुएं-बावड़ी, तालाबों की चैनल का संरक्षण, गहरीकरण एवं सफाई का कार्य किया है. अपर आयुक्त आशीष पाठक ने बताया कि साइक्लोथान नेहरू स्टेडियम से प्रारंभ होकर जीपीओ चौराहा, राजीव गांधी चौराहा, मानिक बाग रोड, कलेक्टर चौराहा, टावर चौराहा, सपना संगीता, इंदिरा प्रतिमा होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम समाप्त हुई.

57 केन्द्रों पर 23 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

▶ सख्ती से हुई चैकिंग सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम

▶ इंदौर में नीट (यूजी) की परीक्षा शांतिपूर्वक हुई संपन्न

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में रविवार को नीट (यूजी) 2026 परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। 57 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित इस परीक्षा में 23,160 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया. कड़ी निगरानी, विशेष बस सेवा और व्यापक सुरक्षा इंतजामों के बीच परीक्षा दोपहर 2 से 5 बजे तक चली, जबकि प्रवेश दोपहर 12 बजे से शुरू होकर 1.30 बजे बंद कर दिया था.

सुबह से ही परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की आवाजाही शुरू हो गई थी. बाहर से आए विद्यार्थी अलसुबह ही केन्द्रों पर पहुंच गए. बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने पालकों के साथ पहुंचे, जिनके लिए केन्द्रों के बाहर छांव और पानी की व्यवस्था की गई. प्रशासन ने रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से विशेष बसें संचालित कीं. एआईसीटीसीएल की बसों को चार रूट पर चलाते हुए सांवेर, आईआईटी सिमरोल, आईआईएम और महू तक परीक्षार्थियों को पहुंचाया गया. परीक्षा के बाद वापसी की व्यवस्था भी सुनिश्चित रही. परीक्षा से पहले सभी केन्द्रों पर प्रश्नपत्र समय से पहुंचा दिए गए थे. फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषयों के पेपर हुए. सख्ती के चलते अभ्यर्थियों को जूते मोजे पहनकर आने की अनुमति नहीं थी. सभी को चप्पल पहनकर ही प्रवेश दिया गया. आधी बांह के कपड़े अनिवार्य रहे और पेन भी परीक्षा एजेंसी द्वारा उपलब्ध कराए गए. बायोमेट्रिक सत्यापन के तहत आंखों की स्कैनिंग की गई, जबकि केवल पारदर्शी पानी की बोतल ले जाने की अनुमति रही. सुरक्षा के लिहाज से सभी केन्द्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा. मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस, बिजली विभाग, जनरेटर, ड्यूटी मजिस्ट्रेट और उडऩदस्ता लगातार सक्रिय रहे. यातायात व्यवस्था भी सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए. पांच केन्द्रों पर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई गई.

परीक्षार्थियों ने कहा...

परीक्षा के बाद कुछ अभ्यर्थियों ने नव भारत को अपने अनुभव भी साझा किए. प्रियल चौहान ने बताया कि पेपर संतुलित रहा, जिसमें समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण था, बायो के प्रश्न कुछ ज्यादा ही बड़े थे, जिससे समय ज्यादा लगा. वहीं वैदेही तोमर ने बताया कि बायोलॉजी अपेक्षाकृत आसान रही, जबकि फिजिक्स में कुछ प्रश्नों ने सोचने पर मजबूर किया. जबकि आकांक्षा राजपूत ने बताया कि परीक्षा का स्तर मध्यम रहा और अच्छी तैयारी करने वालों के लिए पेपर स्कोरिंग था. यह परीक्षा अभ्यर्थियों के मेडिकल करियर की पहली सीढ़ी मानी जाती है. रविवार को जिन हाथों में कलम थी, वही आगे चलकर मरीजों के इलाज के लिए इंजेक्शन थामेंगे.

सीएम के आने के पहले गिरा मुख्य द्वार, टला बड़ा हादसा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के भूमिपूजन कार्यक्रम से ठीक पहले एक बड़ा हादसा टल गया. कार्यक्रम स्थल पर बनाया गया मुख्य प्रवेश द्वार तेज हवा के कारण अचानक गिर गया. राहत की बात यह रही कि उस समय वहां भीड़ नहीं थी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पहुंचने से पहले ही यह घटना हो गई. किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई.

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले पुलिस व्यवस्था के चलते उस स्थान पर लोगों की संख्या सीमित थी. इसी वजह से बड़ा हादसा टल गया. हालांकि, गेट गिरने के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. गिरे हुए गेट को दोबारा खड़ा करने के लिए मौके पर मौजूद लोगों ने काफी कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली. इसके बाद क्रेन की मदद से भी गेट को लगाने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भी असफल रहा. अंततः गेट के हिस्सों को हटाकर रास्ता साफ किया गया.

व्यवस्था पर उठे सवाल

इस पूरी प्रक्रिया में करीब आधा घंटा लग गया. गनीमत रही कि इस दौरान मुख्यमंत्री का काफिला वहां नहीं पहुंचा था. थोड़ी देर बाद डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और निर्धारित कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस घटना के बाद कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं. तेज हवा में इस तरह का ढांचा गिरना कहीं न कहीं लापरवाही की ओर इशारा करता है.

एक नजर में

मोहम्मद रफी के गीतों को अपने अंदाज में प्रस्तुत किया

इंदौर. एक किवदंती बन चुके मोहम्मद रफी साहब जिन्होंने, अपनी आवाज से इस दुनिया को इतने अंदाज दिए कि उम्र, कम पड़ जाएगी पर उनके जादुई करिश्मे कभी खत्म नहीं हो सकते. इंसानी जीवन के हर एहसास के साथ कुदरत के दिए हुए हर फिजा को अपनी आवाज में पीरो दिया, जो एक करिश्मा है इंसान अपने अपने तर्कों से बात करता है. कोई भगवान की आवाज कहता है. कोई खुदा की आवाज कहता है कोई गॉड की आवाज कहता है पर इंसानी तर्क कभी खत्म नहीं हो सकते एक ये किवदंती है. अभिनव कला समाज में श्री रफी साहब के कुछ अलग अलग, अंदाज को बहुत मेहनत लगन से सभी साथी कलाकारों ने उनके अलग अलग अंदाज को अपनी आवाज और अपने अंदाज से उन्हें प्रस्तुत किया. जगदीश जैस्वाल ने बताया कि रफी साहब के सम्मान में किवंदती संगीत समूह द्वारा समाजसेवी दीपक जाजोदिया एवं गायिका सुश्री मधु ताई का शाल, श्रीफल से सम्मान किया गया.

संस्था वागिणी ने सौ भजन मंडलियों को किया सम्मानित

इंदौर. खंडवा रोड स्थित परमानंद योग केंद्र पर संस्था वाघिणी की ओर से इंदौर की सभी भजनी मंडलियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम का आरंभ विनिता धर्म द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. इस मौके पर प्रमोद बंडी और योगाचार्य जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे. कार्यक्रम में 100 भजन मंडलियों के प्रतिनिधियों को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किए गए. कार्यक्रम में संस्था वाघिनी की संचालिका अनुजा पंडित के साथ भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती, जोन अध्यक्ष प्रशांत बडवे अपूर्व भोगले पेशवा, नगर मंत्री स्वाति काशीद, सुधा सुखयानी, प्रेम व्यास उपस्थित थे. संचालन तन्वी पंडित भाटवडेकर एवं निवेदिता आमिन व्दारा किया गया. डॉ.शुभांगी शिरढ़ोनकर ने गणेश वंदना की. समापन राष्टगीत वंदे मातरम के गायन से हुआ. आयोजन में निमिषा पराङकर, रचना विप्रदास, अर्चना भिसे, सोनाली बोकिल, माधवी तिजारे,मिथुन पंवार, मंगेश भागवत का सहयोग रहा. अजय मस्तुद ने आभार माना.

अमेजन की ग्रेट समर सेल 8 मई से

इंदौर. अमेज़ॉन इंडिया ने घोषणा की कि ग्रेट समर सेल 2026 8 मई को रात 12 बजे से शुरू होगी. इस सेल में स्मार्टफोन, फैशन, ब्यूटी, घर, किचन, बड़े अप्लायंस, किराना औररोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ों सहित एआई से चुने गए कई प्रोडक्ट्स मिलेंगे. 2,500 रुपए की खरीदारी पर 250 रुपए का कैशबैक और 2 लाख से ज्यादा के प्रोडक्ट्स पर 3% एक्स्ट्रा छूट पाएं. ग्रेट समर सेल 2026 में सभी कैटेगरी में जबरदस्त डील्स के साथ कई किफायती विकल्प भी मिलेंगे।चुनिंदा क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई, इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट, एक्सचेंज ऑफर औरअमेजन पे के फायदे उपलब्ध होंगे. इससे समर की ज़रूरी चीज़ें और प्रीमियम प्रोडक्ट्स दोनों हीआसानी से खरीदे जा सकेंगे. 100% पिनकोड पर तेज़ और सुविधाजनक डिलीवरी के साथ पूरे देश केग्राहक बिना किसी परेशानी के शॉपिंग का आनंद ले सकते हैं.

हर कहानी के पीछे होती है एक कहानी

▶ मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति ने किया एक दिवसीय लघुकथा लेखन कार्यशाला का आयोजन

इंदौर. यूँ तो श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति में एक माह में लगभग 8-10 साहित्यिक आयोजन होते ही है, उद्देश्य होता है हिन्दी भाषा साहित्य संवर्धन के साथ साहित्य के प्रति जन जागरण भी इसी श्रृंखला में रविवार को एक दिवसीय लघुकथा लेखन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. दिए गए विषय पर लघुकथा साहित्यकारों ने लिखी इसमें साहित्यकारों ने प्रतिभागिता की.

माँ सरस्वती की प्रार्थना राजेश शर्मा ने प्रस्तुत की. संचालन कर रहे परीक्षा शिक्षा मंत्री उमेश पारेख ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला एवं साहित्य मंत्री डॉ. पद्मा सिंह ने विषय प्रवर्तन किया. मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार तरुण भटनागर ने लघुकथा कहानी और उपन्यासों पर चर्चा की व कहा कि हर कहानी के पीछे एक कहानी होती है. इस अवसर पर भोपाल से आयी डॉ. कान्ता राय ने भी विचार व्यक्त किए. घनश्याम मैथिल विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित हुए. स्वागत हरेराम वाजपेयी, डॉ. मीनाक्षी स्वामी, घनश्याम यादव, अनिल भोजे, डॉ. सुधा चैहान, सदाशिव कौतुक व मणिमाला शर्मा ने किया. दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. कान्ता राय ने की. इस सत्र में ज्योति जैन ने लघुकथा वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विषय पर अंतरा करवडे ने लघुकथा में कलापक्ष का महत्व एवं सृजनात्मक लेखन पर तथा वरिष्ठ लघुकथाकार संतोष सुपेकर ने लघुकथा में विषय चयन पर विचार व्यक्त करते हुए मार्गदर्शन दिया. 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की. तीसरे सत्र में सदाशिव कौतुक की लिखित चल जमूरे तथा परिन्दे 2 कहानियों पर बनी लघु फिल्में प्रदर्शित की गई. लिखी गई लघुकथाओं का मूल्यांकन विजय जोशी, सुनीता प्रकाश एवं सीमा व्यास ने किया.

लिखने में जल्दबाजी न करें...

अंतिम सत्र में वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यकान्त नागर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि लेखक को अपनी सफलता को विश्वास में बदलना चाहिए, लिखने में जल्दबाजी न करें. डॉ. प्रीति सिंह देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के मुख्य अतिथि ने भी उद्बोधित किया. प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गये. आभार प्रधान मंत्री अरविन्द जवलेकर ने व्यक्त किया. इस अवसर पर डॉ. गोपालदत्त ओझा, अरविन्द ओझा, वीणा के संपादक राकेश शर्मा आदि काफी संख्या में उपस्थित थे.

289 कर्मचारियों, अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

▶ जनगणना कार्य में लगे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित नहीं हुए तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

इंदौर. आयुक्त एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी क्षितिज सिंघल द्वारा जनगणना के महत्वपूर्ण कार्य में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा कार्य पर उपस्थित नहीं होने पर ऐसे कुल 289 कर्मचारियों-अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया.

उल्लेखनीय है कि जनगणना कार्य हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों कर्मचारियों को कार्य आवंटित किया गया था, किंतु 1 मई 2026 अथवा तत्पश्चात लगातार सूचित किए जाने के उपरांत भी कई अधिकारी कर्मचारी कार्य हेतु उपस्थित नहीं हुए, जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता का परिचायक होने से तथा मध्य प्रदेश सिविल सेवा अचार नियम 1965 के नियम-3(1) (एक)(दो)(तीन) में निहित प्रावधानों के विपरीत होने से कर्मचारियों के विरुद्ध प्रशासन द्वारा कठोर अनुशासन कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है. अनुपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों के उक्त कृत्य के लिए 289 सेवकों के विरूद्ध मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम 1966 के प्रावधानों के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने हेतु विभागीय जांच प्रस्तावित करने एवं जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 की उप धारा (1) के भाग (क) भाग (ख) भाग (ग) के अधीन अधिनियम की धारा 13 (क) एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्यवाही हेतु कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है. साथ ही इस संबंध में अनुपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने तथा अपना समाधानकारक स्पष्टीकरण दिनांक 4 मई को अपरान्ह 5.30 बजे तक चार्ज अधिकारी के समक्ष सुसंगत दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए है. नोटिस द्वारा सूचित किया है कि कार्य पर अनुपस्थिति तथा समाधान कारक स्पष्टीकरण प्राप्त न होने की स्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी.

कृष्ण का नाम जपने से ही हृदय में प्रकट हो जाते हैं भगवान

▶ माता आनंदमयी पीठ पर श्रीमद्भागवत कथा में जन्मोत्सव धूमधाम से मना

इंदौर. भगवान कृष्ण का नाम जपने से ही व्यक्ति के हृदय में भगवान प्रकट हो जाते है,जहां विश्वास होता है वहां भगवान होते है,भगवान विश्वास से मिलते है,संसार में विश्वास बहुत जरूरी है,जीवन में धर्मात्मा वही होते है जिनके पास सत्य,दया, दान,और तप हो,धर्म के चार चरण सत्य, दया, दान,तप होते है,सनातन धर्म, संस्कृति, शास्त्रों को समझना जरूरी है,इसे हर व्यक्ति जरूर समझे.

यह बातें महामंडलेश्वर विरागानंद महाराज ने एबी रोड स्थित श्री श्री माता आनंद मयी पीठ पर आनंदमयी मां का 131 वां जन्म महोत्सव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन कही. स्वामी परिपूर्णानंद ने बताया कि सात दिवसीय जन्म महोत्सव के पांचवे दिन सुबह सुबह ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पीठाधिश्वर स्वामी केदारनाथ महाराज के पावन सानिध्य में भगवान ठाकुर जी का आचार्य पं.दीपक शास्त्री के आचार्यत्व में वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन करके अभिषेक किया. महोत्सव में भागवत कथा में पांचवे दिन श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया. सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया, जन्मोत्सव में पारंपरिक परिधान में भक्त शामिल हुए,. शाम को वेदांत सम्मेलन में स्वामी केदारनाथ महाराज ने कहा कि परमानंद में ही आनंद है, हर मनुष्य का मन स्थिर होना चाहिए, परमात्मा का अनुभव जरूर हो. कभी मोह में नहीं पड़े, शास्त्रों का अध्ययन आवश्यक है. स्वामी ज्येश्वर चैतन्य वाराणसी, स्वामी योगेश्वर नंद,स्वामी कृष्णानंद सहित अन्य संत उपस्थित रहे. इन्होंने अलग- अलग विषयों पर प्रवचन और व्याख्यान दिया.

एक नजर में ▶ होलकर कॉलेज में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर विद्यार्थियों को किया सम्मानित

इंदौर. शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय द्वारा वर्ष भर की खेल-कूद गतिविधियों में विद्यार्थियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर वार्षिक खेल-कूद पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया.

पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनामिका जैन एवं विशेष अतिथि के रुप में प्रशासनिक अधिकारी डॉ.नांगेश डगांवकर एवं प्लेसमेंट सेल के अधिकारी डॉ. संजय व्यास उपस्थित थे. होलकर विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस बार यू.टी.डी. को पीछे छोडते हुये विश्वविद्यालय प्रतिनिधित्व करने पर प्रथम स्थान प्राप्त किया. इस बार महाविद्यालय के 76 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया. महाविद्यालय की पुष्पा मेड़ा ने इस वर्ष 3 खेलों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया, इन सभी खिलाड़ियों को एक-एक मूमेंटो एवं ट्रैकसूट प्रदान किया.

12 अलग-अलग टीमों ने अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिता में दिखाया जौहर

महाविद्यालय की 12 अलग-अलग टीमों ने अंतरमहाविद्यालय प्रतियोगिता में विजता एवं उपविजेता होने का गौरव हासिल किया जिसके लिये एक-एक ट्रैकसूट एवं हुडी से पुरस्कृत किया गया. महाविद्यालय की श्रुतिका जसोना और ऐश्वर्या सेंगर ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया. महिमा सिसोदिया ने ऑल इण्डिया विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता, क्षितिज डामोर ने अंतर विश्वविद्यालय फुटबॉल पुरुष प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया. इस दौरान क्रीड़ा समिति के सभी सदस्य, राऊ महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. पुष्पेन्द्र अहिरवार एवं राघव जायसवाल उपस्थित थे. संचालन खेल विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम शर्मा एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. शुभदा भोसले द्वारा किया गया. इस दौरान योग विभाग के अजित जैन, नवीन पाल दीखा रेच एवं शारीरिक शिक्षा विभाग की रुपाली प्रजापत द्वारा कार्यक्रम संचालन में सहयोग दिया गया. होलकर महाविद्यालय ने इस बार 12 अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया.